PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features

न्यास विलेख

क.....माह.....सन्.....को ..... नगर में श्री .....आत्मज .....आयु.....वर्ष निवासी..... द्वारा की गई ।

चूँकि हमारी ..... एवं ..... के स्वामित्व की कुछ सम्पत्ति है, जिसका उल्लेख नीचे अनुसूची में किया गया है एवं जो सभी प्रकार के भारों, अभिभारों एवं संधारणाधिकार से मुक्त है ।

सम्पत्ति की अनुसूची
(संपत्ति का विस्तृत विवरण)

और चूँकि हमारे कोई संतान नहीं है और न ही भविष्य में होने की संभावना है तथा हमारे पास अपनी आजीविका के अन्य साधन उपलब्ध है, अतः हम उपर्युक्त वर्णित सम्पत्ति का पूर्त एवं धार्मिक प्रयोजनों के लिए न्यास स्थापित करना चाहते है ।

अतएव अब यह विलेख साक्ष्यांकित करता है कि :–

(1) हम उपर्युक्त ..... एवं ..... एदत्द्वारा यह घोषित करते है कि उपरोक्त अनुसूची में अंकित सम्पत्तियों के हम प्रथम न्यासी एवं निष्पादक है तथा हम इन्हें न्यासियों के रूप में रखेंगे, प्रबंध करेंगे तथा इनसे न्यास के उद्देश्यों को पूरा करेंगे ।

(2) इस न्यास की स्थापना निम्नांकित पूर्त एवं धार्मिक प्रयोजनों के लिए की गई है । (..... यहाँ उद्देश्यों का उल्लेख किया जाना है)

(3) न्यास की सम्पत्ति का पूर्ण लेखा–जोखा रखा जाएगा ।

(4) न्यासी सम्पत्ति के रख–रखाव का पूर्ण ध्यान रखेंगे ।

(5) न्यास की सम्पत्ति का एकमात्र प्रयोग न्यास के तथा–कथित उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाएगा ।

(6) जहाँ किसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए न्यास की सम्पत्ति का विक्रय किया जाना आवश्यक हो, वहां ऐसे विक्रय का निर्णय सभी न्यासियों द्वारा एकमत से लिया जाएगा तथा बड़ी सावधानी एवं सतर्कता के साथ उक्त संपत्ति को ऊँची कीमत पर बेचने का प्रयास किया जाएगा ।

(7) किसी कारण से किसी न्यासी का स्थान रिक्त हो जाने पर नये न्यासी की नियुक्ति उत्तरजीवी न्यासियों द्वारा की जाएगी ।

उपरोक्त के साक्ष्य स्वरूप निम्नांकत साक्षियों के समक्ष अपने हस्ताक्षर कर दिए है ।

साक्षीगण :–

(1) .....

(2) .....

हस्ताक्षर .....
(न्यासकर्ता)

हस्ताक्षर .....
(न्यासधारी)

PDF Complete
Your complimentary use period has ended. Thank you for using PDF Complete.
Click Here to upgrade to Unlimited Pages and Expanded Features